समस्या | हाथीतारा में सूखे कुएं में टैंकर से पानी भरकर बुझाई जा रही प्यास, ग्रामीण अंचलों में गहराया पेयजल संकट

भूजल स्तर गिरने से सूख गई कुएं की झिरिया

निवास, नवभारत। भीषण गर्मी के बीच मंडला जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। निवास विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम हाथीतारा रैयत और भुआ बिछिया जनपद की ग्राम पंचायत नेवसा के पोषक ग्राम भपसा-बसनिया में पानी की विकराल समस्या ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। जहाँ एक ओर हाथीतारा में मुख्य सरकारी बोर खराब होने से पूरा गांव टैंकर के भरोसे है, वहीं दूसरी ओर भपसा-बसनिया में लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद अधूरी नल-जल योजना के कारण ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है।

निवास तहसील के ग्राम हाथीतारा रैयत का मुख्य सरकारी बोर पिछले काफी समय से बंद पड़ा है। भूजल स्तर बेहद नीचे चले जाने से गांव के पारंपरिक कुएं की झिरियां (जल स्रोत) भी पूरी तरह सूख चुकी हैं। ऐसे में पंचायत द्वारा प्रतिदिन करीब दो टैंकर पानी लाकर गांव के एक सूखे कुएं में डाला जाता है। इसके बाद ग्रामीण बाल्टी और रस्सियों की मदद से कुएं से पानी खींचकर अपनी जरूरतें पूरी करने को मजबूर हैं। पानी डालने से पहले ग्रामीण खुद मिलकर कुएं की साफ-सफाई करते हैं।

पढ़ाई व घरेलू कामकाज ठप, नया बोर कराने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि पानी की इस भीषण किल्लत का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि बेजुबान मवेशियों पर भी पड़ रहा है। दूर-दराज से पानी ढोने में अधिक समय बर्बाद होने के कारण महिलाओं के घरेलू कामकाज और बच्चों की पढ़ाई पर बेहद बुरा असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से खराब पड़े सरकारी बोर की तत्काल मरम्मत कराने या गांव में नया बोर खनन कराने की पुरजोर मांग की है।

आईटीआई में 30 जून तक आवेदन आमंत्रित

मंडला। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) मंडला द्वारा सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। संस्थान के प्राचार्य ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत अभ्यर्थियों को निर्धारित समयावधि में आवेदन कर आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। प्रवेश मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

आईटीआई मंडला में एनसीवीटी एवं एससीवीटी मान्यता प्राप्त विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। इनमें कोपा, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर, डीजल मैकेनिक, प्लम्बर, ड्राइवर कम मैकेनिक सहित अन्य रोजगारोन्मुखी व्यवसाय शामिल हैं। संस्थान में प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने की व्यवस्था भी की जाती है। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी शासकीय आईटीआई मंडला कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

60 लीटर शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

टायर, नाली और मोपेड की सीट के नीचे छिपाई थी बोतलें, मुख्य आरोपी महिला फरार

मंडला। मंडला नगर के व्यस्त बस स्टैंड क्षेत्र में लंबे समय से संचालित हो रहे एक अवैध शराब अड्डे पर कोतवाली थाना पुलिस ने दोपहर को औचक छापेमारी की।

यह अवैध अड्डा एक महिला द्वारा कई वर्षों से बेरोकटोक चलाया जा रहा था। सटीक सूचना के बाद सक्रिय हुई पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी महिला तो हाथ नहीं आई, लेकिन पुलिस ने मौके से दो युवक सहयोगियों को धर दबोचा।

टायरों, मटकों और सूखी नाली में छिपाई थी शराब- छापेमारी के दौरान जब पुलिस दल ने अड्डे के रूप में इस्तेमाल हो रहे होटल और उसके आस-पास सघन सर्चिंग की, तो शराब छिपाने के कई अनोखे तरीके देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। शातिर आरोपियों ने एक मोपेड वाहन की सीट के नीचे शराब के क्वार्टर छिपा रखे थे। बड़े वाहनों के खराब और कबाड़ टायरों के भीतर शराब ठूंस रखी थी, जिसे निकालने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। होटल के पीछे बनी बाड़ी, सूखी नाली और खाली मटकों के भीतर भी भारी मात्रा में शराब डंप की गई थी।पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छिपाकर रखी गई लगभग 50 से 60 लीटर से अधिक देशी और विदेशी शराब बरामद कर जब्त कर ली है। पकड़े गए दोनों आरोपी युवकों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की गैर-जमानती धारा 34 (2) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

फरार महिला की तलाश जारी- कोतवाली पुलिस ने बताया कि अवैध रूप से अड्डा संचालित करने वाली मुख्य आरोपी महिला छापेमारी के दौरान चकमा देकर भागने में सफल रही, जिसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर महिला के ठिकानों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध नशे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा और इस मामले की विस्तृत जांच जारी है।

नारायणगंज क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, दो वाहन जब्त

नारायणगंज। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। मध्यप्रदेश शासन, खनिज साधन विभाग के निर्देशों एवं कलेक्टर मंडला के मार्गदर्शन में जिलेभर में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

बताया गया कि शिकायतों के आधार पर 9 जून को नारायणगंज क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त दो वाहनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 51 एबी 2171 और डम्पर क्रमांक एमपी 20 एक्सबी 8752 को खनिज विभाग की टीम ने अपने कब्जे में लिया।

जब्त वाहनों को संबंधित थाना/चौकी प्रभारी की सुपुर्दगी में शासकीय अभिरक्षा में रखा गया है। संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई खनिज निरीक्षक एवं विभागीय अमले द्वारा संयुक्त रूप से संपादित की गई।

कलेक्टर ने जिले की प्राचीन बावड़ियों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

मंडला। जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कलंका बुर्ज, संगम घाट के समीप स्थित प्राचीन बावड़ी, किला मंदिर परिसर स्थित बावड़ी तथा डिठौरी बीहर माता कुण्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को साफ सफाई, संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि ये प्राचीन बावड़ियाँ केवल जल स्त्रोत नहीं हैं, बल्कि हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता, वैज्ञानिक सोच और जल संरक्षण के प्रति उनकी गहरी समझ का जीवंत प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि सदियों पूर्व निर्मित ये संरचनाएं उस समय की उत्कृष्ट तकनीक और स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि इन बावड़ियों का उपयोग संभवत: पेयजल संग्रहण, स्नान तथा अन्य दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाता रहा होगा। उस दौर में जब आधुनिक संसाधन उपलब्ध नहीं थे, तब भी जल संचयन और संरक्षण के लिए विकसित की गई यह तकनीक अत्यंत प्रभावशाली और दूरदर्शी थी। आज के समय में भी ये संरचनाएं जल प्रबंधन के क्षेत्र में प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी का दायित्व है कि वह ऐसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखे और उनके महत्व को समझे।

प्राचीन बावड़ियाँ हमारी सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ जल संरक्षण की समृद्ध परंपरा की भी प्रतीक हैं। इनका संरक्षण न केवल इतिहास को सहेजने का कार्य है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने का भी माध्यम है। कलेक्टर श्री धोटे ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन स्थलों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा इनके संरक्षण और विकास के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे इन ऐतिहासिक धरोहरों की गरिमा और पहचान बनी रहे।

मां नर्मदा के तट पर गूंजा प्रभु राम का नाम, संतों के सानिध्य में हुई पूर्णाहुति

मंडला। मां नर्मदा के पावन तट पर आयोजित सात दिवसीय संगीतमय राम संकीर्तन रामधुन का हवन-पूजन, महाआरती और विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। त्यागी आश्रम अंजनिया के पूज्य संत त्यागी महाराज श्री रामेश्वर दास जी द्वारा मां नर्मदा के तट पर राम संकीर्तन करने का पवित्र संकल्प लिया गया था। इस धार्मिक अनुष्ठान का सात दिवसीय अनवरत चल रहे रामधुन का समापन किया गया। इसके बाद मां नर्मदा की भव्य महाआरती की गई, जिसमें पूरा तट नर्मदे हर और जय श्री राम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महाआरती के बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जो देर रात तक चलता रहा। इस भंडारे में हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ प्रसादी ग्रहण किया। कार्यक्रम में मंडला विधायक श्रीमती संपतिया उइके, नगरपालिका अध्यक्ष, जिला भाजपा अध्यक्ष सहित अनेक गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने संतों का आशीर्वाद लिया और भंडारे में प्रसादी पाई।

आधुनिक जीवनशैली की समस्याओं का समाधान है प्राकृतिक चिकित्सा

कुशल प्रबंधन और स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष व्याख्यान में डॉ. रमेश टेवानी ने दिए तनावमुक्त जीवन के सूत्र

मंडला। पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य, कार्यकुशलता एवं मानसिक सुदृढ़ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कुशल प्रबंधन विषय पर एक विशेष जागरूकता एवं स्वास्थ्य व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के कुशल निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भोपाल के प्रसिद्ध आरोग्यं केंद्र के प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश टेवानी ने पुलिस बल को संबोधित किया। उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति, स्वस्थ जीवनशैली, तनाव प्रबंधन, नशामुक्त जीवन एवं प्राकृतिक उपचार के महत्व पर विस्तृत और व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। डॉ. टेवानी ने रेखांकित किया कि आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जीवनशैली से उत्पन्न होने वाली अनेक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, योग, शारीरिक व्यायाम एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से बेहद आसानी से संभव है।

पुलिस कर्मियों की जिज्ञासाओं का हुआ समाधान

विशेषज्ञ डॉ. टेवानी ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि ड्यूटी के दौरान शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सकारात्मक सोच, अनुशासित जीवनशैली एवं तनाव पर सही नियंत्रण रखने से व्यक्ति की कार्यक्षमता और उसके जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनती है। व्याख्यान के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चौबीसों घंटे कार्य के भारी दबाव के बीच भी अपना मानसिक संतुलन बनाए रखने, स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सावधानियों का पालन करने तथा हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के संबंध में कई उपयोगी सुझाव दिए गए। कार्यक्रम के अंतिम चरण में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर खुलकर चर्चा की तथा अपनी व्यक्तिगत जिज्ञासाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का डॉक्टर से उचित समाधान प्राप्त किया। पुलिस विभाग के अनुसार, जवानों की सेहत और मानसिक मजबूती के लिए समय-समय पर इस प्रकार के जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

क्षेत्र के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में संपन्न हुआ प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की हुई विशेष पहचान, पैथोलॉजी जांच के बाद पात्र महिलाओं को बांटी गईं नि :शुल्क दवाएं

मंडला। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाने और गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में निरंतर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत हर माह की 09 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच अनिवार्य रूप से की जा रही है, जिससे जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित व स्वस्थ रहें।

सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने बताया कि इस सुरक्षित मातृत्व अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रसव से पहले ही ऐसी गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान करना है, जिन्हें उच्च जोखिम गर्भावस्था की श्रेणी में रखा गया है। नारायणगंज सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हाई रिस्क प्रेगनेंसी वह स्थिति है, जिसमें सामान्य गर्भावस्था की तुलना में मां और शिशु दोनों में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं विकसित होने की संभावना काफी अधिक होती है। प्रसव पूर्व जांच के दौरान यदि किसी भी महिला में एबनॉर्मल भ्रूण या गर्भाशय से जुड़ी कोई शिकायत मिलती है, तो उसे बेहतर उपचार के लिए तत्काल उच्च स्वास्थ्य केन्द्र में रेफर किया जाता है।

मधुमेह की पहचान के लिए हुआ विशेष ओजीटीटी टेस्ट- शिविर की व्यवस्थाओं के संबंध में नर्सिंग ऑफिसर सोनिका उइके ने बताया कि इस विशेष शिविर में गर्भवती महिलाओं के लिए ओरल ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट प्रमुखता से किया गया। यह एक विशेष लैब टेस्ट है, जिससे यह सटीक पता चलता है कि गर्भवती महिला का शरीर शुगर को कितनी अच्छी तरह से संसाधित कर रहा है। इसके लिए उपस्थित महिलाओं को मानक प्रक्रिया के तहत 300 एमएल पानी में 75 ग्राम ग्लूकोज मिलाकर पिलाया गया और ठीक दो घंटे बाद उनके रक्त (ब्लड) के नमूने लेकर सघन जांच की गई। यह टेस्ट महिलाओं में गर्भावधि मधुमेह के शुरुआती निदान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। लैब टैक्निशियन मोनिका सिंगरौरे ने बताया कि शिविर के दौरान सभी गर्भवती महिलाओं का एचआईवी, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, यूरीन प्रोटीन, ब्लड प्रेशर और सिकलिंग जैसे तमाम आवश्यक परीक्षण पूरी तरह नि:शुल्क किए गए। शिविर में डॉ. दीप्ति अग्रवाल, नर्सिंग मेडिकल ऑफिसर सोनिका उइके और सपना पटेल द्वारा महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया।

खेत में जुताई के दौरान जंगली जानवर ने किया हमला, प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर

किसली में भालू के हमले से किसान घायल

भुआ बिछिया। मंडला जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम किसली में खेत की जुताई कर रहे एक किसान पर भालू द्वारा अचानक हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस जानलेवा हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना के बाद से ही आस-पास के ग्रामीण इलाकों में भारी दहशत का माहौल निर्मित हो गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम किसली निवासी राम मरावी (उम्र 55 वर्ष) रोज की तरह अपने खेत में कृषि कार्य के तहत जुताई कर रहे थे। इसी दौरान घात लगाकर बैठे एक जंगली भालू ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। किसान को संभलने का मौका नहीं मिला और वे भालू के हमले में बुरी तरह लहूलुहान होकर घायल हो गए।

घटना की चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग दौड़े, जिसके बाद वन विभाग के अमले को तुरंत सूचित किया गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल किसान को एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया ले जाया गया। यहाँ डॉक्टरों ने किसान का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन घाव गहरे होने और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल मंडला रेफर कर दिया है।

ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

वन विभाग की टीम द्वारा घटना स्थल का मुआयना कर मामले की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। चूँकि यह क्षेत्र वन्यजीवों की सक्रियता वाला है, इसलिए वन विभाग ने ग्रामीणों और किसानों को अकेले खेतों की ओर न जाने तथा वन्यजीवों की गतिविधियों वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

केंद्र सरकार की योजनाओं एवं विकसित भारत-2047 पर मीडिया वार्तालाप आज

मंडला। प्रेस इनफॉरमेशन ब्यूरो भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भोपाल द्वारा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी योजनाओं तथा विकसित भारत /2047 के विजन पर केंद्रित विशेष मीडिया वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन 12 जून को किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रात: 11 बजे से होटल विट्ठल इन, जबलपुर रोड, कटरा, मंडला में आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर केंद्र सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी साझा करना तथा विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है। वार्तालाप के दौरान केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं की उपलब्धियों, उनके प्रभाव तथा आमजन तक पहुँच सुनिश्चित करने के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही विकसित भारत /2047 के लक्ष्य, उसकी रूपरेखा और इसमें नागरिकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला जाएगा। पीआईबी भोपाल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के मीडिया प्रतिनिधियों से सहभागिता की अपेक्षा की गई है।

मांग | कलेक्टर से गुहार लगाने जनसुनवाई पहुंचे बैगा जनजाति के लोग

आजादी के दशकों बाद भी मार्ग विहीन मुगदरा का बैगा टोला, बारिश में वनवास काटने को मजबूर ग्रामीण

मंडला। आदिवासी बाहुल्य मंडला जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति बैगाओं के विकास के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपये की योजनाएं चलाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी बेहद चिंताजनक है। नैनपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मुगदरा के राजस्व ग्राम भटिया टोला के वार्ड क्रमांक 18 का बैगा टोला आज भी पूरी तरह से मार्ग विहीन है। पक्की सड़क न होने के कारण यहां के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या बारिश के सीजन में होती है, जब इस मार्ग पर चलना दूभर हो जाता है। पूरा मार्ग दलदल में तब्दील हो जाता है, जिससे यहां के बच्चों, बूढ़ो समेत सभी ग्रामीणों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए सहमे हुए ग्रामीण फिर मंगलवार को अपनी इस गंभीर समस्या को लेकर सीधे मंडला कलेक्टर के पास गुहार लगाने पहुंचे।

बारिश में बंद हो जाती है बच्चों की शिक्षा- ग्राम भटिया टोला के इस बैगा बाहुल्य वार्ड में करीब 15 से 20 घर हैं, जिनकी जनसंख्या करीब 200 के आसपास है और यहाँ शत-प्रतिशत विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के लोग निवास करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पहुंच मार्ग न होने के कारण हर साल बारिश के चार महीनों में इस टोले का संपर्क मुख्य मार्गों से पूरी तरह टूट जाता है और लोगों को एक प्रकार का वनवास काटना पड़ता है। इस बदहाली का सबसे बुरा असर बच्चों के भविष्य पर पड़ रहा है। बारिश के दिनों में रास्ते में कीचड़ और जलभराव के कारण न तो बड़े बच्चे स्कूल जा पाते हैं और न ही छोटे-छोटे बच्चे आंगनबाड़ी पहुंच पाते हैं, जिससे उनकी शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

सालों से मिल रहा है सिर्फ आश्वासन- शासन की नियम-प्रणाली के तहत हर गाँव में बिजली, सड़क और पानी जैसी संवेदनशील योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन इस बैगा बाहुल्य के टोला में आज दिनांक तक मार्ग का निर्माण नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने रोष जताते हुए कहा कि कई बार मार्ग निर्माण के जनप्रतिनिधियों से निवेदन कर चुके है, लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। स्थानीय प्रशासनिक अमला मूकदर्शक बना हुआ है। स्थानीय सरपंच और जनप्रतिनिधियों से कई बार लिखित व मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन हर बार ग्रामीणों को सिर्फ कोरा आश्वासन ही हाथ लगा। बताया गया कि बारिश का सीजन बेहद नजदीक आ गया है, इसलिए ग्रामीण समय रहते अपनी गुहार लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे हैं। सौंपे गए आवेदन में बैगा जनजाति के लोगों ने मांग की है कि भटिया टोला के वार्ड क्रमांक 18 में रामकुमार के मकान से लेकर रामनाथ बैगा के मकान तक तत्काल पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए। आवेदन सौंपने के दौरान पंचों सहित ओमप्रकाश, वज्रलाल, चैनीबाई, ज्ञानवती बाई, सज्जन सिंह, श्याम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।